# VISION IAS

www.visionias.in

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 876)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Candidate | RHEECHA RATNAM | | |
| Medium Eng./Hindi | HINDI | Registration Number | 4680 |
| Center | RAJENDRA NAGAR | Date | 30/09/17 |

### INDEX TABLE

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1 | 12.5 | |
| 2 | 12.5 | |
| 3 | 12.5 | |
| 4 | 12.5 | |
| 5 | 12.5 | |
| 6 | 12.5 | |
| 7 | 12.5 | |
| 8 | 12.5 | |
| 9 | 12.5 | |
| 10 | 12.5 | |
| 11 | 12.5 | |
| 12 | 12.5 | |
| 13 | 12.5 | |
| 14 | 12.5 | |
| 15 | 12.5 | |
| 16 | 12.5 | |
| 17 | 12.5 | |
| 18 | 12.5 | |
| 19 | 12.5 | |
| 20 | 12.5 | |

**Total Marks Obtained:**

**Remarks:**

### INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are TWENTY questions printed in ENGLISH & HINDI
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।



Scanned by CamScanner

## EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

**Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:**

1.

2.

3.

4.

5.

6.

**All the Best**

Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**Answer all the questions in NOT MORE THAN 200 WORDS each. Content of the answers is more important than its length. All questions carry equal marks.**

**12.5X20=250**

1. While India has taken a number of steps in order to substantially improve its ranking in the World Bank's 'Ease of Doing Business' Index, it needs to take further action in this regard. Elaborate. Also analyse the utility of these rankings vis-a-vis India's objective of facilitating a sound entrepreneurial environment.

जहां, भारत ने विश्व बैंक के 'इज ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' (व्यापार करने की सुगमता) सूचकांक में अपनी रैंकिंग में सार्थक सुधार करने हेतु कई कदम उठाए हैं, वहीं भारत को इस संबंध में आगे और अधिक कार्यवाही करने की आवश्यकता है। सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही सुदृढ़ उद्यमिता वातावरण प्रदान करने के भारत के उद्देश्य के परिप्रेक्ष्य में ऐसी रैंकिंग की उपयोगिता का भी विश्लेषण कीजिए।

→ विश्व बैंक द्वारा प्रकाशित 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' सूचकांक, किसी देश में व्यापार करने की सुगमता दर्शाता है।

. 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' सूचकांक, 2017 के अनुसार, भारत 130वें स्थान पर है।

* ईज ऑफ डूइंग सूचकांक के घटक

(i) व्यापार शुरू करना
(ii) कॉन्ट्रेक्ट लागू करना
(iii) विद्युत पाना
(iv) संपत्ति का पंजीकरण
(v) कर भुगतान
(vi) विवाद समाधान
(vii) क्रेडिट प्राप्त करना
(viii) वस्तुओं को दूसरे देशों में भेजना



Scanned by CamScanner

* भारत द्वारा इस संबंध में उठाए गए कदम :-

(i) व्यापार शुरू करना :- केंद्र सरकार द्वारा ई-बीज़ (e-biz) पोर्टल की शुरुआत, जहाँ विभिन्न प्रक्रियाओं हेतु 'ऑनलाइन आवेदन' उपलब्ध कराई व 'एकल खिड़की' ('इन्वेस्ट इंडिया') के माध्यम से विदेशी निवेशकों की सहायता।

(ii) विवाद समाधान -
- इनसोलवेंसी व बैंकरप्सी कोड पारित करना। (IBC)
- IBC, कंपनियों से जुड़े विवादों का समाधान निर्धारित समय सीमा में करेगा।

(iii) वस्तुओं को बॉर्डर के आर-पार भेजना
- WTO के व्यापार सुगमता समझौते (TFA) को भारत द्वारा लागू किया गया, जो बंदरगाहों पर विभिन्न प्रक्रियाओं - कस्टम इत्यादि को सरल बनाएगा।

(iv) कर प्रक्रिया सरल करने हेतु, सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (GST) लागू की गई है।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* भारत को व्यापार सुगमता हेतु अन्य कदम उठाने की आवश्यकता है :-

(i) भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को त्वरित व सुगम बनाना।

(ii) श्रम सुधारों को लागू करना - उदाहरण राजस्थान द्वारा श्रम सुधार।

(iii) विभिन्न कानूनों में परिवर्तन करना - उदाहरण :- कांट्रेक्ट लागू करने से जुड़े कानून

• ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सूचकांक, अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में किसी देश में, व्यापार करने की सरलता दर्शाता है।

• यह दर्शाता है कि, किसी विदेशी निवेशक के लिए, किसी देश में निवेश करना या व्यवसाय करने की प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न चरणों में, कितना समय लगेगा। उदाहरण :- विद्युत पाने में कितना समय।

• भारत, जो कि वैश्विक स्तर पर बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनना चाहता है, उसे अपने देश में, निवेशक सहयोगी माहौल बनाना अनिवार्य होगा।

• नीति आयोग द्वारा विश्व बैंक के साथ मिलकर, राज्यों के लिए, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' रैंकिंग जारी करना, इस दिशा में सकारात्मक प्रयास है।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. In wake of the agrarian crisis that the country is witnessing, discuss the need for adopting an income-centric approach in preference to a production-centric one as the basis of agricultural policy. In this context, also highlight the steps that should be taken to achieve the goal of doubling the income of farmers by 2021-22 and the challenges that exist.

देश द्वारा सामना किए जा रहे कृषि संकट के आलोक में, कृषि नीति के आधार के रूप में उत्पादन-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर आय-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए। इस संदर्भ में, 2021-22 तक किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए जो कदम उठाए जाने चाहिए, उनके साथ-साथ विद्यमान चुनौतियों पर भी प्रकाश डालिए।

हाल के दिनों में, भारत के विभिन्न राज्यों में कृषकों का प्रदर्शन - मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, चर्चा में रहा है।

- कृषक, अच्छी उपज के बावजूद, अपनी उत्पादों का बेहतर मूल्य पाने में असफल रहे हैं।

- भारत में लगभग 48% (किसान) श्रमबल, कृषि क्षेत्र में नियोजित है, जिसका जीडीपी में योगदान ~17% है। (आर्थिक सर्वेक्षण)

- स्पष्ट है कि, श्रमबल का एक बड़ा भाग, निम्न उत्पादकता क्षेत्र में लगा है, साथ ही ~72% कृषक लघु व सीमांत हैं।

- भारत में पूर्व में अपनाई गई कृषि नीति का लक्ष्य 'उपज में वृद्धि' द्वारा खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना था, लेकिन अब यह आवश्यक है कि भारत में कृषकों की आय में वृद्धि हेतु



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कदम उठाए जाए।

- नीति आयोग के त्रि-वर्षीय एजेंडे में, 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है।

* केंद्र सरकार द्वारा कृषकों की आय दोगुना करने हेतु, अशोक दलवई समिति का गठन किया गया था।

- अशोक दलवई समिति : सुझाव

(i) कृषि विपणन को समवर्ती सूची में शामिल करना।

(ii) कृषि उत्पाद आपूर्ति श्रृंखला में निजी क्षेत्र को प्रवेश।

(iii) FPO (Farmer-Producer organization) के गठन को प्रोत्साहन।

* भारत में, कृषकों द्वारा सामना की जा रहीं विभिन्न चुनौतियों का वर्णन, आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17 में किया गया है।

| चुनौती | वर्तमान स्थिति | उठाए जाने वाले कदम (भविष्य) |
| --- | --- | --- |
| (i) कीमत संबंधी | - किसान अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने में असफल।<br>- कृषि विपणन में मध्यस्थों की भूमिका | - मॉडल APMC अधिनियम लागू करने की आवश्यकता<br>- e-NAM के प्रयोग को प्रोत्साहन<br>- कृषि विपणन में निजी क्षेत्र को |



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

* सरकार द्वारा इस हेतु उठाए गए कदम :-

(i) मॉडल APMC अधिनियम बनाना, तथा राज्यों को इसे अपनाने हेतु कहना

(ii) e-NAM (e-नाम), द्वारा, कृषकों के उत्पादों के ऑनलाइन बिक्री, द्वारा उन्हें बेहतर उत्पाद मूल्य प्राप्त करने का अवसर दिया जा रहा है।

(iii) निजी कंपनियों - अमेज़न, बिग बास्केट को, कृषि उत्पाद की आपूर्ति श्रृंखला में शामिल करना।

* निम्नलिखित कदम उठाने की आवश्यकता व संबंधित चुनौतियां :-

| क्षेत्र | कदम उठाने की आवश्यकता | चुनौतियां |
|---|---|---|
| 1.) उत्पादन | कम उत्पादन लागत व अधिक उत्पादन पर ध्यान — मृदा स्वास्थ्य कार्ड | कृषि इनपुटों - उर्वरक, बीजों के प्रयोग को संतुलित करना। |
| 2.) बाजार जोखिम से किसानों को बचाना। | • संविदा कृषि को प्रोत्साहन। • सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य का प्रयोग। | • संविदा कृषि, कृषि के कार्पोरेटीकरण को बढ़ावा देगी। • CAG के अनुसार |
| 3.) आय सुरक्षा | • फसल बीमा योजना का विस्तार। | बीमा योजना का प्रसार कम है। |

भारत को 'अन्न केंद्रित कृषि' से बाहर निकलना होगा, व कृषकों की आय में वृद्धि हेतु, सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम सकारात्मक है।


Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**3.** It is argued that India's fiscal centre of gravity has rapidly shifted from the Centre to the States. Analyse the statement in context of the debate on fiscal discipline. Also, enumerate the key recommendations of the N.K. Singh panel on Fiscal Responsibility and Budget Management Act.

यह तर्क दिया जाता है कि भारत का राजकोषीय गुरुत्वाकर्षण का केंद्र तेजी से केन्द्र से राज्यों की ओर स्थानांतरित हुआ है। राजकोषीय अनुशासन पर वाद-विवाद के संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए। साथ ही, राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम पर एन. के. सिंह पैनल की प्रमुख अनुशंसाओं को सूचीबद्ध कीजिए।

- राजकोषीय अनुशासन के अंतर्गत सरकार अपने आय व व्यय को संतुलित करने का प्रयास करती है, ताकि उसका राजकोषीय घाटा, ऋण/जीडीपी अनुपात, राजस्व घाटा इत्यादि अधिक न हो।
- राजकोषीय घाटा, किसी देश की राजकोषीय प्रबंधन क्षमता को दर्शाता है साथ ही यह, दर्शाता है कि, देश राजकोषीय सतता की नीति का पालन कर रहे हैं, या नहीं।
- भारत में, केंद्र ने 2003 में, राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम (FRBM) अपनाया था, जिसका लक्ष्य, राजकोषीय घाटे का ≈ 3% करना व राजस्व घाटे को शून्य करना था। हालांकि, यह लक्ष्य प्राप्त करने में केंद्र असफल रहा
- राज्यों द्वारा भी, अपने राजकोषीय प्रबंधन हेतु, राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम (FRL) को अपनाया गया।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* FRL अधिनियम अपनाने के बाद, राज्यों के राजकोषीय प्रदर्शन में व्यापक सुधार हुआ :-

(i) राज्यों का औसत राजकोषीय घाटा <3%.

(ii) राज्यों का औसत ऋण/जीडीपी <22%.

• हालाँकि, हाल के दिनों में राज्यों के राजकोषीय घाटे में वृद्धि हो रही है, जिसका कारण है :-

(i) 7वें वेतन आयोग की अनुशंसा लागू जाना।

(ii) उदय योजना के अंतर्गत डिस्कॉम को ऋण सहायता।

• केंद्र ने राज्यों को, उनके राजकोषीय घाटे के प्रबंधन हेतु, पूर्व में केंद्र प्रायोजित योजनाओं (CSS), वित्त आयोग की अनुशंसा आदि का वितरण में वृद्धि इत्यादि। संबंधी कदम उठाए हैं।

* हाल ही में, एन. के. सिंह समिति ने, भारत के लिए नए राजकोषीय प्रबंधन उपाय सुझाए हैं, जो निम्नलिखित हैं :-



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) भारत को FRBM को, व्यापक नए, राजकोषीय व ऋण प्रबंधन अधिनियम को अपनाना चाहिए।

(ii) 2022-23 तक, केंद्र का राजकोषीय घाटा = 2.5% करने की सिफारिश।

(iii) 2022-23 तक, भारत का ऋण/जीडीपी = 60%, (जीडीपी का)

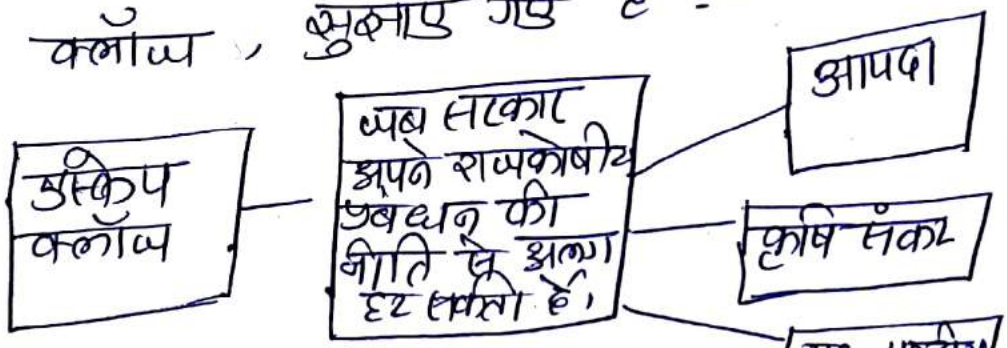

(iv) विशेष परिस्थितियों में, राजकोषीय एस्केप प्रबंधन के संबंध में हैं :- क्लॉज, सुझाए गए




(v) स्वतंत्र, राजकोषीय विनियामक बोर्ड के गठन का सुझाव, जो केंद्र व राज्यों की राजकोषीय नीतियों का विनियमन करेगा।

पूर्व में, राज्यों द्वारा, अपने राजकोषीय घाटे का प्रबंधन, केंद्र की अपेक्षा अधिक अच्छे तरीके से किया गया है, हालांकि इसमें केंद्र का सहयोग, महत्वपूर्ण रहा है।

भारत, राजकोषीय प्रबंधन में अनुशासन द्वारा, निवेशकों को आकर्षित करने में सफल हो सकता है।



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**4.** Strategic sale of state-run firms is a prudent step to deal with the challenges being faced by the public sector enterprises in India. Comment. Also enumerate other measures that can be taken in light of NITI Aayog's suggestions in this regard.

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों से निपटने के लिए राज्य-संचालित उद्यमों की रणनीतिक बिक्री एक विवेकपूर्ण कदम है। टिप्पणी कीजिए। साथ ही इस संबंध में नीति आयोग के सुझावों के प्रकाश में उठाए जा सकने वाले अन्य उपायों को भी सूचीबद्ध कीजिए।

— रणनीतिक बिक्री के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (CPSU) के 50% से अधिक शेयरों की बिक्री की जाती है, तथा इसका प्रबंधन निजी क्षेत्र को सौंपा जाता है।

- केंद्र सरकार, PSU की रणनीतिक बिक्री, निम्नलिखित उद्देश्यों हेतु करती है:-
(i) PSU के प्रबंधन में दक्षता लाना
(ii) सरकार के राजस्व व्यय में कमी लाना।
(iii) निजी क्षेत्र के सफल नीतियों द्वारा PSU को लाभ कमाने वाली कंपनी में परिवर्तित करना।

- हाल ही में केंद्र सरकार ने एयर इंडिया के विनिवेश की घोषणा की है।

— एयर इंडिया, 50,000 करोड़ से अधिक के ऋण घाटे पर चल रही है;



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• सरकार, विनिवेश द्वारा PSU में अपने स्वामित्व को समाप्त करती है, तथा निजी क्षेत्र को कंपनी का प्रबंधन सौंपती है।

* PSU'S द्वारा सामना की जा रही, प्रमुख चुनौतियां निम्नलिखित है :-

(i) PSU, सार्वजनिक उद्यम, जिनका उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता है, फलस्वरूप कंपनियां प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाती है।

(ii) PSU, अपने निधियन हेतु सरकार पर निर्भर होते है, जिसके कारण इनका निधि स्रोत सीमित रहता है;

(iii) PSU'S की प्रबंधन क्षमता में दक्षता का अभाव, जिसके कारण वे घाटे में रहते है।

— हाल के वर्षों में, जब सरकार अपनी, राजकोषीय अनुशासन की नीति के अंतर्गत अपना घाटा कम करना चाहती है, PSU के विनिवेश द्वारा





Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसे कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

* विनिवेश : आलोचना :-

(i) सार्वजनिक निकाय, जनता के लाभ के लिए कार्य करते हैं, जिसकी अपेक्षा निजी क्षेत्र से नहीं की जा सकती है।
उदाहरण :- एयर इंडिया, कम लाभ वाले हवाई मार्गों पर भी उड़ान भरती है।

(ii) श्रमिकों द्वारा PSU के बिक्री का विरोध किया जाता है; क्योंकि इससे उनकी नौकरी पर खतरा बढ़ जाता है।

* नीति आयोग द्वारा विनिवेश के संबंध में दिए गए सुझाव :-

(i) घाटे में चल रही कंपनियों की बिक्री निजी क्षेत्र को करने की आवश्यकता।

(ii) अन्य PSU को, शेयर बाज़ारों में सूचीबद्ध करना।

(iii) कुछ कंपनियों के विनिवेश हेतु, कानून में संशोधन की आवश्यकता है।

हाल के वर्षों में, जहाँ निजी क्षेत्र का विस्तार, अर्थव्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्रक में बढ़ रहा है, सरकार अपनी भूमिका 'सेवा प्रदाता' की जा रही है, जो भविष्य में सफल कदम साबित हो सकता है,



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Shell companies in India are neither legally defined nor properly understood. Analyse in the light of recent developments, prevalent understanding and steps required to effectively deal with shell companies.

भारत में शेल कंपनियां न तो कानूनी रूप से परिभाषित हैं और न ही उनके विषय में उचित समझ है। हाल के घटनाक्रमों, व्याप्त (प्रचलित) समझ और शेल कंपनियों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु आवश्यक कदमों के आलोक में विश्लेषण कीजिए।

→ हाल ही प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि, 4.5 लाख शेल कंपनियों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है,
- सेबी ने भी, 331 शेल कंपनियों के विरुद्ध कार्यवाही की है।

* शेल कंपनियाँ क्या हैं?
→ भारत में कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत शेल कंपनियों की परिभाषा नहीं की गई है,
. हालांकि सामान्य अर्थ में शेल कंपनियां, वैसी कंपनियां होती हैं, जिनका न तो अपना कोई व्यवसाय होता है, व न अपनी संपत्ति होती है।

शेल कंपनियां, मुख्यत: मनी लाउंड्रिंग का कार्य करती है, जिसके कारण ये अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है।



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- विमुद्रीकरण पश्चात, RBI की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 99% 500 व 1000 रुपए के नोट, बैंकिंग प्रणाली के अंतर्गत वापस आ गए हैं।
- इस प्रक्रिया में शेल कंपनियों ने व्यापक भूमिका निभाई है, तथा काले धन को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में शामिल कराया है।

* शेल कंपनियों से निपटने हेतु उठाए गए कदम :-

(i) आयकर विभाग व अन्य विभागों द्वारा, ऑपरेशन क्लीन मनी के अंतर्गत शेल कंपनियों की गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जा रही है।

(ii) बिग डाटा के माध्यम से शेल कंपनियों को पहचानने का कार्य किया जा रहा है।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* भारत में शैल कंपनियों से निपटने में चुनौतियां :-

(i) आधिकारिक रूप से परिभाषित नहीं, फलस्वरूप इनकी पहचान करने हेतु, कोई एक मानक नहीं है।

(ii) हाल ही में सेबी द्वारा, शेयर बाजार निवेश से जुड़ी कंपनियों के विरुद्ध की गई कार्यवाही, के कारण अन्य कंपनियों (जो शैल कंपनियां नहीं) में भी भय व्याप्त हो गया है।

* भारत में शैल कंपनियों से निपटने हेतु निम्नलिखित कदम उठाने की आवश्यकता है :-

(i) उन्हें परिभाषित करना तथा, कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत उनसे जुड़े दंड के प्रावधानों को सम्मिलित करना।

काले धन से निपटने हेतु, सरकार द्वारा GST लागू, विमुद्रीकरण व शैल कंपनियों पर प्रहार, सकारात्मक कदम हैं।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. If a larger population in India is to be involved in the economy in a big way, Small and Medium Enterprises (SMEs) are key. Elaborate. Also discuss the challenges faced by the SME sector in India and give an account of the measures taken by the government to deal with these.

यदि भारत में एक बड़ी आबादी को अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर सम्मिलित करना है, तो लघु और मध्यम उद्यम (SMEs) महत्वपूर्ण हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए। इसके साथ ही, भारत में SME क्षेत्रक द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा कीजिए और इनसे निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण भी प्रदान कीजिए।

भारत में लघु व मध्यम उद्योग (SME) का कुल विनिर्माण जीडीपी में 31% का योगदान है। [आर्थिक सर्वेक्षण 2018]

* भारत में SME क्षेत्र निम्नलिखित रूप से सहायक है :-

(i) यह श्रम बल के बड़े भाग को रोजगार प्रदान करता है।

(ii) विनिर्माण प्रक्रिया में फॉरवर्ड-बैकवर्ड लिंकेज का कार्य करता है; जिसका लाभ प्राथमिक क्षेत्रक (कृषि) को प्राप्त होता है।

(iii) SME क्षेत्र, भारत में व्याप्त क्षेत्रीय असंतुलन (उद्योग) को कम करने में सहायक है।

(iv) यह राष्ट्रीय आय का समुचित



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

किरण सुनिश्चित करता है।

स्पष्ट है कि, भारत के आर्थिक विकास में SME क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है।

* हाल के वर्षों में SME क्षेत्र द्वारा सामना की जा रही चुनौतियां :-

(i) बैंक ऋण प्राप्ति :- आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17 के अनुसार, SME क्षेत्र को प्राप्त होने वाले बैंक ऋण में कमी आई है।

— इसके कारण इस क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां व्यापक रूप से प्रभावित हुई हैं।

(ii) अन्य स्रोतों से — शेयर बाजार, वेंचर कैपिटल प्राप्त करने में SME क्षेत्र असमर्थ है।

(iii) विमुद्रीकरण का प्रभाव SME, आर्थिक गतिविधियों पर पड़ा है, क्योंकि यह नकद आधारित क्षेत्र रहा है।

(iv) हाल ही में लागू वस्तु व सेवा कर (GST), से SME क्षेत्र प्रभावित हुआ है,



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• GST के, अंतर्गत का नहीं चुकाने वाली कंपनियों से खरीदे गए मालों पर, उत्पादक कंपनी को कर देना होगा; जिससे SME क्षेत्र, आने वाले वर्षों में घाटे में जा सकता है।

* सरकार द्वारा SME क्षेत्र को प्रोत्साहन देने हेतु उठाए गए कदम :-

(i) प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत SME क्षेत्र को औपचारिक संस्थानों से कम ब्याज पर ऋण प्रदान करना।

(ii) प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों (PSL) को ऋण प्रदान करने संबंधी दिशा-निर्देशों में RBI ने SME क्षेत्र के लिए 7.5% ऋण राशि को अनिवार्य किया है। (कुल PSL ऋण का)

(iii) प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना द्वारा SME क्षेत्र में, रोजगार को प्रोत्साहन

SME क्षेत्र, भारत के आर्थिक विकास का प्रमुख अवयव है, तथा इसको द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों के लिए केंद्र द्वारा भविष्य में और कदम उठाए जाएंगे।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What are the reasons for the growing informalization of industrial labour in India? Discuss the issues associated with the phenomenon and reforms required to deal with them.

भारत में औद्योगिक श्रम के बढ़ते अनौपचारीकरण के क्या कारण हैं? इस परिघटना से जुड़े मुद्दों और उनसे निपटने हेतु आवश्यक सुधारों पर चर्चा कीजिए।

आर्थिक सर्वेक्षण 2015-16 के अनुसार, 1989-2010 के मध्य सृजित हुए 10.5 मिलियन रोजगारों में सिर्फ 35% रोजगार औपचारिक क्षेत्र में सृजित हुए हैं।

- विनिर्माण क्षेत्र में, उदारिकरण पश्चात् सृजित 70% रोजगार अनौपचारिक हैं।

* भारत में विनिर्माण क्षेत्र के अनौपचारीकरण के कारण :-

(i) भारत में विनिर्माण क्षेत्र में पूंजी गहन उद्योगों की प्रमुखता, फलस्वरूप श्रम गहन उद्योग- वस्त्र, चमड़ा इत्यादि का विकास नहीं हुआ। - इसके कारण लोगों को औपचारिक नौकरियां प्राप्त करने में समस्या है।

(ii) इंस्पेक्टरी कोलेस्ट्रॉल :- इस शब्द का प्रयोग आर्थिक सर्वेक्षण में



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विनिर्माण उद्योग से जुड़े विनियमन को दर्शाने हेतु किया गया था, जिसके कारण भारत में अच्छे जॉब सृजित नहीं हो पा रहे हैं :-

(i) EPFO में अनिवार्य योगदान की शर्त।

(iii) श्रम सुधारों में सुस्ती, जिसके कारण उदारीकरण पश्चात्, भारत में संविदा श्रमिकों की संख्या में वृद्धि हुई है। उदाहरण :- उद्योगों से श्रमिकों को निकालना, उद्योगों को बंद करना।

(iv) कौशल की कमी :- भारत में सिर्फ 5% श्रमिक कुशल हैं; जबकि अन्य देशों - जर्मनी में यह अनुपात 90% है।

* भारत में विनिर्माण क्षेत्र के अनौपचारिकरण से जुड़े मुद्दे :-

(i) श्रम सघन उद्योगों का स्थान - कपड़ा व चमड़ा उद्योगों को उन क्षेत्रों में स्थापित करने की आवश्यकता है,



Scanned by CamScanner

जहाँ, मजदूरी कम हो; किराया कम हो।

(ii) भारत की आर्थिक संवृद्धि के दौर (2000-2010) को, रोजगारविहीन संवृद्धि कहा जाता है; क्योंकि इस दौर में पर्याप्त अच्छे जॉब सृजित नहीं हुए हैं।

* विनिर्माण क्षेत्र में औपचारिक जॉब सृजन हेतु निम्नलिखित कदम उठाने की आवश्यकता है :-

(i) श्रम सुधारों को लागू करना, ताकि संविदा श्रमिकों की संख्या कम हो।

(ii) विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े विनियमनों - EPFO में योगदान इत्यादि को हटाने की आवश्यकता है।

(iii) कौशल विकास तथा उन उद्योगों, जिनमें रोजगार सृजन क्षमता अधिक है को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

सरकार द्वारा, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादक जॉब सृजित करने हेतु 'मेक इन इंडिया' 'स्किल इंडिया' 'प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना' का आरंभ किया गया है, जिसका लक्ष्य 2022 तक 100 मिलियन रोजगार विनिर्माण क्षेत्र में सृजित करना है।



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. A number of far-reaching developments have taken place in the local and global energy space which have to be reflected in our own energy policy framework. Discuss.

स्थानीय और वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में कई दूरगामी घटनाएं घटित हुई हैं, जिन्हें हमारी अपनी ऊर्जा नीति के ढांचे में प्रतिबिंबित होना है। चर्चा कीजिए।

हाल ही में नीति आयोग ने भारत की ऊर्जा नीति का प्रारूप प्रस्तुत किया है।

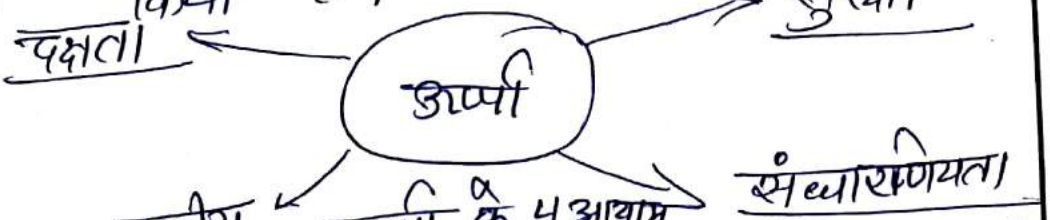




- भारत में ऊर्जा क्षेत्र में अभी भी सर्वाधिक योगदान, कोयला (59%) का है। हालांकि, आने वाले वर्षों में भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में अधिक निवेश करेगा।

* हाल के वर्षों में स्थानीय व वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में हुए परिवर्तन :-

1.) स्थानीय क्षेत्र :-

(i) भारत में, सोलर पैनलों, पवन ऊर्जा से जुड़े उपकरणों के मूल्यों में गिरावट आई है,



Scanned by CamScanner

फलस्वरूप, इन ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश करना, पहले से सस्ता हो गया है;

(ii) भारत ने, जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में 2035 तक 40% ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करने संबंधी लक्ष्य प्रस्तुत किया है।

(iii) ग्रामीण विद्युतीकरण में तीव्रता, जिसका लक्ष्य, 2019 तक सभी घरों का विद्युतीकरण है।

(iv) भारत, स्मार्ट मीटरिंग, LED बल्बों, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत स्वच्छ ईंधन (LPG) को मुहैया कराने संबंधी कार्य कर रहा है,

- इन सभी को देखते हुए यह आवश्यक है कि हमारी ऊर्जा नीति का लक्ष्य प्रत्येक भारतीय को सस्ती, स्वच्छ, दक्ष ऊर्जा उपलब्ध कराना हो।

* <u>वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य से जुड़े</u> <u>बदलाव</u> :-

(i) अमेरिका में शैल गैस की उत्पादन क्षमता में वृद्धि, जिसका



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों पर पड़ा।
(ii) स्वच्छ ईंधन की ओर बढ़ता वैश्विक रुझान, जो पर्यावरण हितैषी हो।
(iii) पेट्रोल व डीजल की बजाए गाड़ियों को विद्युत से चलने वाली अपनाने में बढ़ता वैश्विक रुझान।
(iv) नए ऊर्जा स्रोतों - हाइड्रोजन ईंधन, संचार जालकों इत्यादि का प्रयोग, जैसे - हाइड्रोजन में। उदाहरण :- जापान में हाइड्रोजन गैस से चलने वाली रेल।
(v) वैश्विक स्तर पर सोलर टैरिफ में आई कमी।

स्पष्ट है कि आने वाले भविष्य से जुड़ी ऊर्जा नीति, नवीन ऊर्जा स्रोतों, शोध व अनुसंधान से जुड़ी होनी चाहिए, जिसका लक्ष्य संधारणीय ऊर्जा निर्माण व प्रयोग हो।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. The Indian IT-BPM (Information Technology-Business Process Management) industry is a global powerhouse today and its impact on India and the world has been unprecedented. Comment. Also, mention the challenges being faced by India's IT-BPM sector.

भारतीय IT-BPM (Information Technology-Business Process Management या सूचना प्रौद्योगिकी-व्यापार प्रक्रिया प्रबंधन) उद्योग आज एक वैश्विक शक्ति का केंद्र है और भारत एवं विश्व पर इसका प्रभाव अभूतपूर्व रहा है। टिप्पणी कीजिए। साथ ही, भारत के IT-BPM क्षेत्रक द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों का भी उल्लेख कीजिए।

भारत की GDP में सेवा क्षेत्र का अनुपात 50% से अधिक है, जिसमें सर्वाधिक योगदान IT-BPM क्षेत्र का है।

* 1991 के आर्थिक सुधारों का सर्वाधिक लाभ इस क्षेत्र को प्राप्त हुआ :-

(i) भारत विभिन्न सेवाओं के ~~बैकएंड~~ क्षेत्र के रूप में उभरा — BPO

(ii) ~~सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री~~ को उदारीकरण, ~~प~~ निजीकरण का सर्वाधिक लाभ प्राप्त हुआ है।

— इस क्षेत्र में FDI सर्वाधिक



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तथा विदेशों से ज्ञान हस्तांतरण का लाभ प्राप्त हुआ।

(iii) भारत के विदेशी निर्यात में सर्वाधिक योगदान IT-BPM क्षेत्र के उत्पादों का है।

(iv) विभिन्न देशों की कंपनियों की शाखा, भारत में खोली गई; जिससे देश में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

* हाल के वर्षों में भारत का IT-BPM क्षेत्र, विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है :-

(i) व्यापारिक संरक्षणवादी नीतियों का उद्भव - अमेरिका में H1B वीसा, ब्रिटेन में Brexit जैसी नीतियों का प्रभाव इस उद्योग पर पड़ेगा।



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) उच्च कौशल युक्त रोजगार सृजन में IT BPM क्षेत्र की असफलता के कारण, यह क्षेत्रक कृत्रिम बुद्धिमता व व्यापक रूप से ऑटोमेशन से प्रभावित होगा।

(iii) भारत में IT क्षेत्र के उत्पादों के निर्यात में कमी आ रही है, व हाल ही में विभिन्न कंपनियों द्वारा गिरते राजस्व के मद्देनजर कर्मचारियों की छटनी की गई है। उदाहरण - CTS द्वारा 10,000 लोगों की छटनी।

भारत का IT क्षेत्र, भारतीय ज्ञान व आर्थिक विकास का द्योतक है, तथा सरकार 'स्टार्ट अप इंडिया', 'अटल इनोवेशन मिशन' इत्यादि द्वारा इसे उच्च कौशलयुक्त उद्योग में परिवर्तित कर रही है।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**10.** An effective multi-modal logistics and transport sector will make the Indian economy more competitive. Analyse.

एक प्रभावी मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स (बहु-रूपात्मक संभरण) और परिवहन क्षेत्रक भारतीय अर्थव्यवस्था को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। विश्लेषण कीजिए।

मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स व परिवहन क्षेत्रक के अंतर्गत, एक से अधिक परिवहन के साधनों - रेल, सड़क, जल, हवाई, का प्रयोग, वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला हेतु किया जाता है।

- **भारत में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स व परिवहन क्षेत्रक के लाभ :-**

(i) यह वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले- जाने में लगने वाले समय को कम करेगा।

(ii) यह पर्यावरण हितैषी सिद्ध होगा - उदाहरण सिर्फ सड़क की जगह, अंतर्देशीय जल मार्ग, व रेलवे मालभाड़ा कॉरिडोर का प्रयोग।

(iii) यह वस्तुओं की गुणवत्ता o-



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विशेषकर कृषि उत्पादों की, को बनाए रखने का प्रयास करेगा।

(iv) भारत में, परिवहन तंत्र, जो मुख्य रूप से सड़क आधारित है, विभिन्न अवसंरचना संबंधी चुनौतियों से जूझ रहा है। इस मल्टी मॉडल तरीके का प्रयोग, इन चुनौतियों को दूर करने में प्रभावी सिद्ध होगा।

* भारत में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स व परिवहन क्षेत्रक से जुड़े प्रबंध:-

(i) मल्टी मॉडल परिवहन क्षेत्रक अधिनियम, 1993.

(ii) अंतर्देशीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के अंतर्गत जलमार्गों का विकास।

— राष्ट्रीय जलविकास मार्ग। 1 के अंतर्गत गंगा नदी का विकास किया जा रहा है (इलाहाबाद → हल्दिया)



Scanned by CamScanner

(iii) रेलवे द्वारा मालभाड़ा के आवागमन हेतु, फ्राइट कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है।

(iv) बंदरगाहों के विकास हेतु, सागरमाला योजना, व बंदरगाहों पर नवीन तकनीक – RFID का प्रयोग,

* मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स व परिवहन क्षेत्रक से जुड़ी चुनौतियाँ :-

(i) पर्याप्त अवसंरचना की कमी।
(ii) भूमि अधिग्रहण से जुड़ी समस्या।
(iii) राज्यों के मध्य प्रतिस्पर्द्धा का अभाव। (iv) बंदरगाहों पर बड़े कंटेनरों से जुड़ी चुनौती।

• वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी 'लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स' में भारत का स्थान, उच्च था, हालांकि यह विभिन्न, अंतर्देशीय मानकों को नहीं सम्मिलित करता है।

केंद्र सरकार भारत में मल्टी मॉडल परिवहन के विस्तार देने हेतु, नई योजना शुरू करने वाली है, जिसका अभाव भविष्य के सकारात्मक होगा।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**11.** Climate change threatens sustainable development, impairs socio-economic development and reinforces cycles of poverty across the globe. In this context, discuss the utility of climate risk insurance as an instrument within a comprehensive climate risk management system.

जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व में संधारणीय विकास को जोखिम में डालता है, सामाजिक-आर्थिक विकास को क्षीण करता है और गरीबी के चक्र को मजबूत बनाता है। इस संदर्भ में, व्यापक जलवायु जोखिम प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत एक साधन के रूप में जलवायु जोखिम बीमा की उपयोगिता पर चर्चा कीजिए।

वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से जुड़े खतरों से निपटने हेतु नवीन योजनाएं व नीतियां बनाई जा रही हैं।

- भारत, जलवायु परिवर्तन से व्यापक रूप से प्रभावित होगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।

* जलवायु परिवर्तन व संधारणीय विकास

(i) वैश्विक उष्मन के कारण, सूखा व बाढ़ जैसी आपदाएं अधिक घटित होंगी, जिससे जनसंख्या का बड़ा भाग प्रभावित होगा।

(ii) मृदा की उत्पादकता में कमी, जल स्रोतों विशेषकर ग्लेशियर के पिघलने के कारण, आने वाले वर्षों में सतत विकास की प्रक्रिया को प्रभावित करेगा।



Scanned by CamScanner

* जलवायु परिवर्तन, सामाजिक- आर्थिक विकास व निर्धनता :-

(i) विकासशील देश व द्वीपीय देश, जलवायु परिवर्तन के कारण सबसे ज्यादा कुप्रभावित होंगे।
— अभी भी इन देशों में जनसंख्या का एक बड़ा वर्ग, कृषि क्षेत्र में नियोजित, जिससे प्राकृतिक आपदाओं से, इन देशों के प्रभावित होने की अधिक आशंका है।

(ii) जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाना इत्यादि, विकासशील देशों में आर्थिक विकास प्रक्रिया को प्रभावित करेगा।
— इन देशों को अपने संसाधनों का एक बड़ा भाग, जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु लगाना होगा।

(iii) जलवायु परिवर्तन का सर्वाधिक बोझ निम्न व गरीब वर्ग को उठाना पड़ेगा,



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* जलवायु जोखिम बीमा :-

(i) कृषि क्षेत्र में, किसानों को जलवायु जोखिम बीमा, जलवायु परिवर्तन के दौर में आय सुरक्षा प्रदान करेगा।

(ii) लोगों – विशेषकर तटीय प्रदेशों में मत्स्य उद्योग इत्यादि में कार्यरत लोगों को जलवायु जोखिम बीमा प्रदान करना, जिससे वे इस चुनौती से निपटने में समर्थ हो।

विकासशील देशों को अपने नागरिकों को जलवायु जोखिम बीमा कराने के संबंध में प्रयास जारी रखने चाहिए – फसल बीमा में जलवायु जोखिम को शामिल करना।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**12.** Why are women particularly vulnerable to the impact of natural disasters? Also analyse, with adequate examples, how women can play a more effective role in disaster risk management cycle.

प्राकृतिक आपदाओं के प्रभावों के प्रति महिलाएं विशेष रूप से सुभेद्य क्यों होती हैं? साथ ही, समुचित उदाहरणों के साथ विश्लेषण कीजिए कि किस प्रकार महिलाएं आपदा जोखिम प्रबंधन चक्र में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं।

→ द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि, महिलायें प्राकृतिक आपदा से अधिक प्रभावित होती हैं, वे प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अधिक सुभेद्य हैं।

* महिलाएँ प्राकृतिक आपदाओं में अधिक सुभेद्य क्यों?

(i) पुरुषों की अपेक्षा, महिलाएं घरों में अधिक रहती हैं, फलस्वरूप आपदाओं में उनकी मृत्यु अधिक होती है।

उदाहरण :- सुनामी के समय, भारत में नागपट्टनम में पुरुषों की अपेक्षा, महिलाओं की



Scanned by CamScanner

अधिक मृत्यु हुई थी।

(ii) पुरुषों की अपेक्षा, महिलाएँ तैरना कम जानती हैं, फलस्वरूप बाढ़ (सुनामी में उनकी सुभेद्यता अधिक है।

उदाहरण :- चेन्नई बाढ़ में महिलाएँ अधिक प्रभावित।

(iii) प्राकृतिक आपदाओं का महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

(iv) सूखा के कारण, दूसरे शहरों में प्रवास पर सर्वाधिक नुकसान महिलाओं को होता है।

## * आपदा प्रबंधन चक्र एवं महिलाएँ

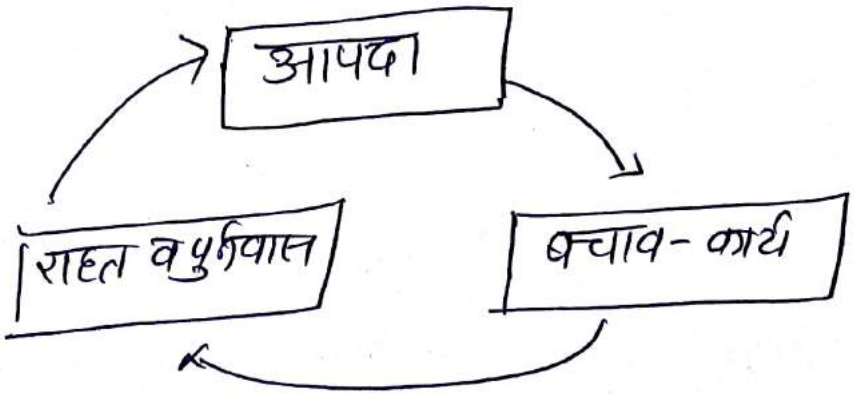




Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आपदा बचाव कार्य व पुनर्वास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, आपदा जोखिम को कम करने में सहायक है।

— बांग्लादेश में हर वर्ष आने वाले बाढ़ में, बड़ी मात्रा में जान-माल की हानि होती है।

हाल ही में बांग्लादेश ने, महिलाओं को तैरना सीखाने, बाढ़ के समय आवश्यक वस्तुओं व बच्चों को लेकर बचने व पुनर्वास कार्यों में उन्हें सहायता राशि प्रदान करने संबंधी कदम उठाए हैं, जिसके कारण वहाँ महिलाएँ आपदा जोखिम प्रबंधन में महत्वपूर्ण व सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

भारत में भी इस दिशा में पर्याप्त प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**13.** In view of the seriousness of heat waves and its consequences, greater attention is required for dealing with it as a natural disaster. Analyse in the context of recent developments and the actions taken by relevant government bodies.

हीट वेव (ग्रीष्म लहर) और उसके परिणामों की गंभीरता के आलोक में, एक प्राकृतिक आपदा के रूप में इससे निपटने हेतु अधिक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। हाल के घटनाक्रमों और संबद्ध सरकारी निकायों द्वारा उठाए गए कदमों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए।

हाल के वर्षों में भारत में ग्रीष्म ऋतु के दौरान हीट वेव एक गंभीर समस्या बन गया है।

* IMD के अनुसार, जब किसी क्षेत्र का तापमान 40°C हो, तथा यह लगातार 3-5 दिनों तक रहे तो इसे हीट वेव घोषित कर देना चाहिए।
- किसी क्षेत्र का तापमान 45°C रहने पर, तुरंत हीट वेव की घोषणा की जानी चाहिए।

* **हीट वेव : परिणाम**

(i) हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन व ग्लोबल वार्मिंग के कारण, भारत में ग्रीष्म



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ऋतु (मार्च-जून) का तापमान, अधिकांश शहरों में 40°C से अधिक रह रहा है।

(ii) ग्रीष्म लहर के कारण, शरीर में पानी की कमी, सिर दर्द, व यहाँ तक की मृत्यु भी हो जाती है।

— हालिया वर्षों में ग्रीष्म लहर के कारण होने वाली मृत्यु की संख्या में वृद्धि हुई है।

• चूंकि भारत की अधिकांश जनसंख्या ग्रीष्म लहर से प्रभावित होती है, आवश्यकता है कि इस संबंध में पर्याप्त जागरूकता फैलाई जाए।

(i) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा ग्रीष्म लहर से उत्पन्न होने वाले बचाव हेतु कदमों को प्रसारित करने की आवश्यकता है।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) अधिक गर्मी दिन में, लोगों को घरों के अंदर रहने व बाहर न निकलने संबंधी निर्देश जारी करने की आवश्यकता है।

* ग्रीष्म लहर के संबंध में उठाए गए कदम :-

(i) IMD द्वारा, तापमान का पूर्वानुमान जारी करना।

(ii) NDMA द्वारा, ग्रीष्म लहर से निपटने हेतु, दिशा-निर्देश जारी किया जाना।

भविष्य में ग्लोबल वार्मिंग के कारण, ग्रीष्म लहर की घटना में और वृद्धि होगी, जिससे निपटने हेतु ठोस तंत्र व प्रक्रिया अपनाने की आवश्यकता है;



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस हाल में कुछ ना लिखें)

**14.** While genome editing offers immense potential benefits in the area of healthcare, there are a lot of apprehensions regarding its use. Discuss.

जहां, जीनोम एडिटिंग स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में बहुत अधिक लाभ की संभावना प्रस्तुत करता है, वहीं इसके उपयोग के संबंध में काफी आशंकाएं भी मौजूद हैं। चर्चा कीजिए।

हाल के वर्षों में जीनोम एडिटिंग, काफी चर्चा में है।

- जीनोम एडिटिंग के अंतर्गत, किसी व्यक्ति / बच्चे के जीनों में परिवर्तन किया जाता है।
  - जीन, मनुष्य के DNA में पाए जाने वाले आनुवांशिक कारक हैं, जो व्यक्ति की विभिन्न आनुवांशिक जानकारियों को भंडारित करते हैं।

* **जीनोम एडिटिंग :-**

(i) वैज्ञानिक, जीनोम एडिटिंग की सहायता से, किसी व्यक्ति में पाए जाने वाले, आनुवांशिक रोगों — थैलिसीमिया के वाहक जीनों को निकाल पाएंगे।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

– जीनोम एडिटिंग की सहायता से, आनुवांशिक रोगों का उन्मूलन संभव होगा।

(ii) जीनोम एडिटिंग से किसी व्यक्ति की क्षमता – बुद्धि कौशल में भी वृद्धि संभव होगी।

(iii) जीनोम एडिटिंग द्वारा कैंसर वाहक जीनों की पहचान कर, उन्हें परिवर्तित/बाहर निकाला जा सकेगा, फलस्वरूप यह कैंसर का उन्मूलन भी भविष्य में सुनिश्चित करेगा।

(iv) पशुओं – दुधारू पशुओं की जीनों में एडिटिंग द्वारा, अधिक दुग्ध उत्पादन संभव होगा।

(v) पौधों व फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होगी तथा वे जलवायु परिवर्तन के विपरीत में सक्षम होंगे।



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

* जीनोम एडिटिंग : हानि :-

(i) डिजाईनर बेबी, जिसके सभी विशेषताओं का परिवर्तन करना संभव होगा।

(ii) भविष्य में, मनुष्य आनुवांशिक कारकों द्वारा नहीं, बल्कि जीनोम एडिटिंग द्वारा नियंत्रित होगा।

(iii) इस तकनीक का प्रयोग, मार्ग कमोबेश स्पष्ट है कि जीनोम एडिटिंग जहाँ विभिन्न संभावनाएं प्रस्तुत करती है वहीं इसके दुरूपयोग से जुड़ी नैतिक चिंताएँ भी विद्यमान हैं।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**15.** Discuss various ways in which supercomputers have benefitted mankind over the years. Also enumerate the objectives of the National Supercomputing Mission and the mechanism for its implementation.

उन विभिन्न तरीकों पर चर्चा कीजिए जिसके माध्यम से विगत वर्षों में सुपर कंप्यूटरों ने मानव जाति को लाभान्वित किया है। इसके साथ ही राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के उद्देश्यों और इसके कार्यान्वयन के तंत्र को भी सूचीबद्ध कीजिए।

→ सुपर कंप्यूटर, उन कंप्यूटरों को कहते हैं, जिनकी कंप्यूटिंग क्षमता बहुत अधिक होती है। सुपरकंप्यूटर, चंद सेकंडों में बहुत बड़ी गणना करने में सक्षम होते हैं।

* सुपर कंप्यूटर : प्रयोग

(i) मौसम पूर्वानुमान - सटिक होना।

(ii) चक्रवात से पहले पूर्वानुमानों के कारण, कई हजार लोगों की जान बची है।

(iii) बिग डाटा एनॉलिटिक्स में।



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) अंतरिक्ष विज्ञान में।
(v) चिकित्सा क्षेत्र में :- नई दवाओं की खोज।

* राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन

- केंद्र सरकार द्वारा 45,000 करोड़ रुपए राशि की, सुपरकंप्यूटिंग मिशन की घोषणा की गई है।
- यह मिशन 7 वर्षों के लिए है।

* मिशन का उद्देश्य

- सुपरकंप्यूटर युक्त देशों की सूची में भारत को अग्रणी स्थान प्राप्त करने में सक्षम बनाना।

* मिशन : मुख्य बिंदु



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) भारत में सुपरकंप्यूटरों के विकास को प्रोत्साहन देना।

(ii) वैज्ञानिकों व शोध कर्ताओं को सुपरकंप्यूटर उपलब्ध कराना उनकी क्षमता में वृद्धि करना।

(iii) देश के अग्रणी संस्थानों को सुपरकंप्यूटर की ग्रिड प्रणाली द्वारा जोड़ना, व एक द्रुत नेटवर्क की स्थापना करना।

हाल के वर्षों में भारत सुपरकंप्यूटर की दौड़ में पीछे हुए गया है, तथा चीन इस क्षेत्र में अग्रणी हो गया है।

आवश्यकता है कि यह मिशन अपने उद्देश्य में सफल हो, जिसके लिए सी-डैक जैसे संस्थान प्रशिक्षित हैं।



This document is personalised for Rheecha Ratnam(rheecha.ratnam@gmail.com)

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Widely seen as a disruption for the traditional banking and financial institutions, cryptocurrencies have gained significant traction lately, at the same time creating a regulatory nightmare for regulators across the globe. Discuss.

पारंपरिक बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के लिए व्यापक रूप से व्यवधान के रूप में देखी जाने वाली, साथ ही विश्व भर में नियामकों के लिए एक नियामकीय दुःस्वप्न का निर्माण करने वाली, *क्रिप्टोकरेंसी* ने हाल ही में महत्वपूर्ण पकड़ स्थापित की है। चर्चा कीजिए।

क्रिप्टोकरेंसी, एक वर्चुअल करेंसी है; जो, इनक्रिप्शन हेतु क्रिप्टो तकनीक का प्रयोग करती है। उदाहरण :- बिटक्वॉइन।

* क्रिप्टोकरेंसी : तकनीक

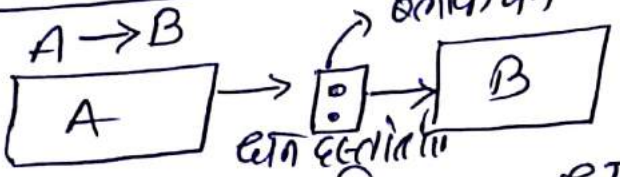




— यह पीयर टू पीयर, धन हस्तांतरण का हेतु, ब्लॉकचेन तकनीक का प्रयोग करती है; जिसके अंतर्गत दो व्यक्तियों के मध्य वित्तीय लेन-देन हेतु, किसी तीसरे / मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं होती है,



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• ब्लॉकचेन, एक सार्वजनिक बहिखाता (Public Ledger) है, जिसके अंतर्गत किसी नेटवर्क के अंतर्गत हुए सभी वित्तीय लेन-देन की सूची सम्मिलित होती है।

* क्रिप्टोकरेंसी : लाभ

(i) व्यक्ति की निजता बनी रहती है

(ii) वित्तीय लेन-देन हेतु, किसी मध्यस्थ - बैंक की आवश्यकता नहीं है।

(iii) धन हस्तांतरण से जुड़ी सभी जानकारी (सार्वजनिक रूप से उपलब्ध), जिसे नेटवर्क के सभी मशीनों द्वारा सत्यापित किया गया। — फलस्वरूप धोखाधड़ी या हैकिंग की संभावना नहीं है।

(iv) विभिन्न देशों की मुद्रा से जुड़े उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होती है।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* क्रिप्टोकरेंसी : लक्षण :-

(i) यह किसी राष्ट्रीय बैंक द्वारा समर्थित नहीं है;

(ii) इसका प्रयोग अवैध अपराधों के वित्तपोषण व साइबर हमलों के दौरान किया जाता है;

उदाहरण :- Ransomware अटैक

हाल ही में, भारत में विनियमन पश्चात्, क्रिप्टोकरेंसी की मांग में वृद्धि हुई है।

— केंद्र द्वारा क्रिप्टोकरेंसी के मुद्दे पर अंतर्मंत्रालीय परिषद का गठन किया गया था, परिषद ने अपनी सिफारिश में क्रिप्टो-करेंसी के विनियमन हेतु विधेयक लाने की सिफारिश की है। कदम उठाने की

क्रिप्टोकरेंसी, भविष्य की करेंसी साबित हो सकती है, जिसे देखते हुए इस दिशा में पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है।



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. An internationally-binding agreement to strengthen the Outer Space Treaty of 1967 is both desirable and increasingly a necessity. Analyse in view of the traditional and emerging challenges in this arena.

1967 की बाह्य अंतरिक्ष संधि को मजबूत बनाने हेतु एक अंतरराष्ट्रीय बाध्यकारी समझौता वांछनीय और साथ ही एक आवश्यकता दोनों है। इस क्षेत्र में पारंपरिक और उभरती हुई चुनौतियों के आलोक में विश्लेषण कीजिए।

बाह्य अंतरिक्ष संधि के हाल ही में 50 वर्ष पूरे हुए हैं।

- 1957 में रूस द्वारा स्पुतनिक उपग्रह भेजे जाने व शीत युद्ध के अंतरिक्ष के आने की चपेट में आने के पश्चात्, संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक समिति का गठन किया।
- इस समिति द्वारा की गई सिफारिशों का परिणाम, बाह्य अंतरिक्ष संधि के रूप में, 1967 में सामने आया।

★ बाह्य अंतरिक्ष संधि : प्रमुख बिंदु :-

(i) अंतरिक्ष का प्रयोग, सभी देशों द्वारा शांतिपूर्ण



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उद्देश्यों हेतु किया जाएगा।

(ii) इस संधि की धारा IV के अनुसार -

- कोई भी देश सैन्य उद्देश्यों हेतु बाह्य अंतरिक्ष का प्रयोग नहीं करेगा।

(iii) चंद्रमा व अन्य अंतरिक्षीय पिंडों का प्रयोग, अन्वेषण हेतु किया जाएगा।

- इस संधि के कारण ही, बाह्य अंतरिक्ष का प्रयोग शांतिपूर्ण ढंग से होना संभव हो पाया है।

* हाल के वर्षों में मिल रही नवीन चुनौतियों में प्रमुख हैं :-

(i) अंतरिक्ष अन्वेषण व पर्यटन में निजी क्षेत्र की भूमिका

उदाहरण :- स्पेस X जो अंतरिक्ष पर्यटन को बढ़ावा देगा।



Scanned by CamScanner

(ii) क्वांटम तकनीक का प्रयोग, विशेषकर, उपग्रहों से प्राप्त सूचना में, क्वांटम कम्युनिकेशन तकनीक का प्रयोग।

उदाहरण :- चीन द्वारा इसका प्रयोग।

आने वाले समय की चुनौतियों को देखते हुए यह आवश्यक होगा कि, बाह्य अंतरिक्ष समझौते में नवीन तत्वों को सम्मिलित किया जाए।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**18.** Even after nearly 60 years in existence, AFSPA remains at the centre of debates with respect to countering violent insurgencies, role of the states and local communities. Discuss.

अस्तित्व में आने के लगभग 60 वर्षों के बाद भी, हिंसक उग्रवाद का मुकाबला करने और राज्यों व स्थानीय समुदायों की भूमिका को लेकर AFSPA वाद-विवाद के केंद्र में बना हुआ है। चर्चा कीजिए।

केंद्र सरकार द्वारा अधिनियमित, AFSPA कानून का प्रयोग, जम्मू-कश्मीर व उत्तर-पूर्वी राज्यों- मणिपुर, नागालैंड में, अलगाववादी व आतंकवादी तत्वों से निपटने हेतु किया जाता है।

- हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने AFSPA कानून को लेकर प्रश्नचिन्ह लगाए हैं।

* AFSPA कानून : बिंदु :-

(i) उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में यह कानून सशस्त्र सीमा बलों को विशेषाधिकार प्रदान करता है :- सर्च, व्यक्ति को संदेह के आधार पर गिरफ्तार करना।



Scanned by CamScanner

(ii) AFSPA के अंतर्गत किसी व्यक्ति को मारने संबंधी प्रावधान को लेकर सर्वाधिक वाद-विवाद है।

(iii) AFSPA कानून सशस्त्र बलों को मानवाधिकार आयोग व न्यायालयों में उनके कृत्यों के संबंध में उन्मुक्ति प्रदान करता है।

· हाल के दिनों में मानवाधिकार आयोग ने, AFSPA कानून में पर्याप्त संशोधन करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

– AFSPA कानून के अंतर्गत मारे गए लोगों के संबंध में जाँच का आदेश, सैन्य कर्मियों को इस केंद्र सरकार हेतु दोषी ठहराना, 3 महीने के इस संबंध में रिपोर्ट जमा करना, इत्यादि अंतर्गत महत्वपूर्ण सुझाव है, जो


Scanned by CamScanner

मानवाधिकार आयोग के सुझाव हैं।

- AFSPA कानून : विपक्ष :-

(i) यह भारत को लोक-कल्याणकारी राज्य की जगह पुलिस राज्य में परिवर्तित करता है।

(ii) AFSPA के अंतर्गत कई बार निर्दोष लोगों की जान गई है। उदाहरण :- माछिल एनकाउंटर।

(iii) AFSPA कानून, राज्यों व सैन्य बलों के मध्य अविश्वास को और बढ़ा रहा है।

(iv) मानवाधिकारों का उल्लंघन, इस कानून द्वारा।

आवश्यकता है कि AFSPA कानून में सरकार, दोषी कर्मियों पर पर्याप्त कार्यवाही करें।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**19.** Analyse the challenges and opportunities inherent in the push for indigenisation of defence production in India. Also, identify the measures through which indigenous manufacturing of defence equipments is being encouraged by the Government.

भारत में रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण की दिशा में निहित चुनौतियों और अवसरों का विश्लेषण कीजिए। साथ ही, उन उपायों की भी पहचान कीजिए जिनके माध्यम से रक्षा उपकरणों का स्वदेशी निर्माण सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हाल ही में केंद्र सरकार ने, नवीन रक्षा खरीद योजना की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य, रक्षा उपकरणों के स्वदेशी निर्माण को प्रोत्साहन देना, है।

* भारत में रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण में निहित चुनौतियां :-

(i) पर्याप्त अनुसंधान व शोध का अभाव।

(ii) नवीन रक्षा तकनीकों के संबंध में अनभिज्ञता।

(iii) निजी क्षेत्र को इस क्षेत्र में प्रोत्साहन देने हेतु, अवसरों व नीतियों का अभाव।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) भारत, रक्षा उपकरणों का वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा खरीददार है, लेकिन इसने स्वदेश में रक्षा उपकरणों के विकास को पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं दिया है;

* रक्षा उत्पादन स्वदेशीकरण : अवसर

(i) रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण से, भारत आत्मनिर्भर सैन्य शक्ति के रूप में विकसित होगा

(ii) यह 'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहन देगा।

(iii) भारत के विदेशी मुद्रा व्यय में कमी आएगी।

(iv) इस क्षेत्र में पीपीपी परियोजनाओं व FDI के द्वारा निजी निवेशकों के प्रोत्साहन से, लोगों को रोजगार के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* रक्षा उपकरणों के स्वदेशी निर्माण को प्रोत्साहन देने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदम:

(i) नवीन रक्षा खरीद नीति, 2017 की घोषणा।

(ii) रक्षा उपकरण उत्पादन में FDI को अनुमति।

(iii) DRDO व निजी क्षेत्र उपकरण विकसित करेंगे।



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. India's ability to puruse a clear-cut strategic vision depends on its ability to improve institutional cooperation and coordination between the armed forces and civilian bureaucracy. Discuss.

भारत द्वारा एक सुस्पष्ट रणनीतिक दृष्टि का अनुसरण करने की क्षमता वस्तुतः सशस्त्र बलों और सिविल नौकरशाही के बीच संस्थागत सहयोग और समन्वय में सुधार करने की क्षमता पर निर्भर करती है। चर्चा कीजिए।

भारत में, सशस्त्र बलों व सिविल नौकरशाही के मध्य सहयोग व समन्वय में सुधार आवश्यक है।

* सशस्त्र बलों व सिविल नौकरशाही के मध्य विवाद :-

(i) सिविल नौकरशाही, सशस्त्र बलों की तीन दशकों से चली वन रैंक - वन पेंशन (OROP) को लागू करने की माँग को लागू करने के प्रति अनिच्छुक रही है।

(ii) रक्षा बजटों में विशेषकर, सशस्त्र बलों के वेतनमान



Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से जुड़े अधिकारों को लागू करने में अक्सर सिविल नौकरशाही आना-कानी करती रही है।

(iii) सिविल लेखकों का अभिव्यात्मक दृष्टिकोण भी इस असहयोग का प्रमुख कारण है।

हालांकि हाल ही में सशस्त्र बलों के लिए 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों व OROP की नीति को लागू करने में, केंद्र सरकार ने तत्परता दिखाई है।



Scanned by CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Scanned by CamScanner